आश्वासन दिया गया था, उस पर अमल नहीं हुआ है। मैं चाहता हूं कि बिना किसी विलम्ब किए अगले लोक सभा चुनावों से पहले महाराष्ट्र के धनगर समाज के लिए अनुसूचित जनजाति, यानी ST का आरक्षण लागू किया जाए।

MR. CHAIRMAN: Sardar Sukhdev Singh Dhindsa, not present. Shri Ram Nath Thakur.

Demand to implement the Ayushman Bharat Scheme speedily by spreading awareness about the same in the country

श्री राम नाथ ठाकुर (बिहार): सभापति महोदय, जब भारत सरकार ने "आयुष्मान भारत योजना" की घोषणा की, तो गरीबों के मन में यह आशा जगी कि अब धन के अभाव में भी गरीब आदमी अपनी गंभीर बीमारी का इलाज करवा सकेंगे और इलाज पर होने वाले भारी खर्चे के बोझ से वे नहीं दबेंगे, लेकिन सभापति जी, लगभग चार माह का समय बीत जाने के बाद भी आज तक इस योजना से लोगों को व्यापक लाभ नहीं मिल पा रहा है। पहली बात यह है कि अभी तक ग्रामीण और दूर-दराज के इलाकों में लोगों को इस योजना के बारे में पता ही नहीं है। अभी भी ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रम की स्थिति है, क्योंकि उन्हें यह पता ही नहीं कि उनका कार्ड किस प्रकार बनेगा, उनका इलाज कहां होगा अथवा उनके इलाके में कौन-कौन से अस्पताल इस प्रयोजन के लिए पैनल पर लिए गए हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह योजना बहुत अच्छी है। यदि इस योजना को धरातल पर उतारा जाए तो गरीबों के लिए स्वास्थ्य से जुड़े मसलों का बहुत हद तक समाधान हो जाएगा और इलाज के भारी खर्च को झेलने के लिए गरीब आदमी जो अपनी जमीन आदि बेचता है, उससे वह बच जाएगा।

अत: मैं सरकार से माँग करता हूं कि इस योजना का व्यापक तौर पर प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि लोग इससे होने वाले लाभ से अच्छी तरह परिचित हो सकें, इसके लिए जारी किए जाने वाले कार्ड को यथाशीघ्र गरीबों के बीच वितरित किया जाए तथा इसमें इलाज के लिए अधिकाधिक अस्पताल पैनल पर लिए जाएँ, ताकि लोगों को अपने आस-पास ही इलाज की अच्छी सुविधा मिल सके।

Demand for establishment of sufficient Blood Banks in each District of the country

श्रीमती कहकशां परवीन (बिहार): महोदय, देश भर में ब्लड-बैंक की व्यवस्था अभी भी संतोषजनक नहीं है। देश के ग्रामीण इलाकों में स्थिति और भी खराब है। हम अक्सर देखते हैं कि समय पर रक्त की व्यवस्था न हो पाने के कारण मरीजों की मौत हो जाती है। वर्तमान समय में, भारत में प्रत्येक 10 लाख की आबादी पर तीन से भी कम ब्लड-बैंक हैं, जबकि मेरे राज्य बिहार में यह अनुपात और भी कम है। पूरे भारत में अभी भी 74 जिले ऐसे हैं, जहां कोई ब्लड-बैंक नहीं है। इसलिए मैं सरकार से आग्रह करना चाहती हूं कि जिन जिलों में ब्लड-बैंक नहीं है, वहां यथाशीघ्र ब्लड-बैंक की स्थापना की जाए।

महोदय, WHO के अनुसार, कुल जनसंख्या के सिर्फ एक प्रतिशत द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान करने से रक्त की कमी को पूरा किया जा सकता है, इसलिए इस संबंध में मैं कुछ सुझाव देना चाहती हूं। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को देश के सभी जिलों में Blood-on-Wheels योजना चलानी चाहिए।

इस योजना में बिहार जैसे राज्यों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, जहाँ ब्लड-बैंक काफी कम हैं। मेरे गृह जिले भागलपुर में "बिहार बंगाली समिति" जैसे कुछ संगठन रक्तदान के क्षेत्र में काफी वर्षों से सक्रिय हैं। उपर्युक्त योजना में इस प्रकार के स्वैच्छिक संगठनों की भी मदद ली जा सकती है। साथ ही, सभी प्रमुख ब्लड-बैंकों में Single Donor Platelets (SDP) मशीन की भी व्यवस्था की जानी चाहिए। इसके अलावा, रक्तदान के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय को इसे पाठ्यक्रमों में शामिल करने के भी प्रयास करने चाहिए।

†**محترمہ کہکشاں پروین (بہار):** مہودے، دیش بھر میں بلڈ-بینک کی ویوستھا ابھی بھی سنتوشجنک نہیں ہے۔ دیش کے گرامین علاقوں میں حالت اور بھی خراب ہے۔ ہم اکثر دیکھتے ہیں کہ وقت پر خون کا انتظام نہ ہونے کی وجہ سے مریضوں کی موت ہو جاتی ہے۔ حالیہ وقت میں، بھارت کے دس لاکھ کی آبادی پر تین سے بھی کم بلڈ بینک ہیں، جبکہ میرے راجیہ بہار میں یہ تناسب اور بھی کم ہے۔ پورے بھارت میں ابھی بھی 74 ضلعیں ایسے ہیں، جہاں کوئی بلڈ بینک نہیں ہے۔ اسلئے میں سرکار سے یہ آگریہہ کرنا چاہتی ہوں کہ جن ضلعوں میں بلڈ بینک نہیں ہے، وہاں جلد سے جلد بلڈ بینک قائم کیا جائے۔

مہودے، ڈبلیو۔ایچ۔او۔ کے مطابق، کل آبادی کے صرف ایک فیصد کے ذریعے ہی اپنی مرضی سے رکت-دان کرنے سے خون کی کمی کو پورا کیا جا سکتا ہے، اس لئے اس سمبندھ میں، میں کچھ سجھاؤ دینا چاہتی ہوں۔ کیندریہ سواستھہ منترالئے کو دیش کے سبھی ضلعوں میں بلڈ-آن-وہیلس یوجنا چلانی چاہئے۔ اس یوجنا میں بہار جیسے راجیوں کو پراتھمکتا دی جانی چاہئے، جہاں بلڈ بینک کافی کم ہیں۔ میرے گریہہ ضلع بھاگلپور میں "بہار بنگالی سمیتی" جیسے کچھہ سنگٹھن رکت-دان کے چھیتر میں کافی سالوں سے سکریے ہیں۔ مندرجہ بالا یوجنا میں اس طرح کے سویچھک سنگھٹنوں کی بھی مدد لی جا سکتی ہے۔

ساتھہ ہی، سبھی پرمکھہ بلڈ بینکوں میں Single Donor Platelets (SDP) مشین کی بھی ویوستھا کی جانی چاہئے۔ اس کے علاوہ، رکت-دان کے بارے میں جاگرکتا پھیلانے کے لئے سواستھہ منترالیہ کو اسے کورسوں میں شامل کرنے کی بھی کوشش کرنی چاہئے۔

श्रीमती जया बच्चन (उत्तर प्रदेश): सर, मैं इस विषय से स्वयं को संबद्ध करती हूं।

†Transliteration in Urdu script.